भारत सरकार/ GOVERNMENT OF INDIA

खान मंत्रालय/ MINISTRY OF MINES

भारतीय खान ब्यूरो/ INDIAN BUREAU OF MINES

क्षेत्रीय खान नियंत्रक का कार्यालय

OFFICE OF THE REGIONAL CONTROLLER OF MINES

हिंदी कार्यशाला रिपोर्ट

दिनांक 27.12.2017

क्षेत्रीय कार्यालय, भुवनेश्वर

Regional Office, Bhubaneswar

भारतीय खान ब्यूरो, भुवनेश्वर में दिसम्बर, ,2017 को समाप्त तिमाही के लिए, दिनांक 27 दिसम्बर, 2017 को ,**राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने तथा राजभाषा संबंधी अधिनियमों , नियमों एवं आदेशों के अनुपालन हेतु हिंदी कार्यशाला का आयोजन सभागार (आडिटोरिएम) में किया गया।** इस कार्यशाला में बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी ने भाग लिया |

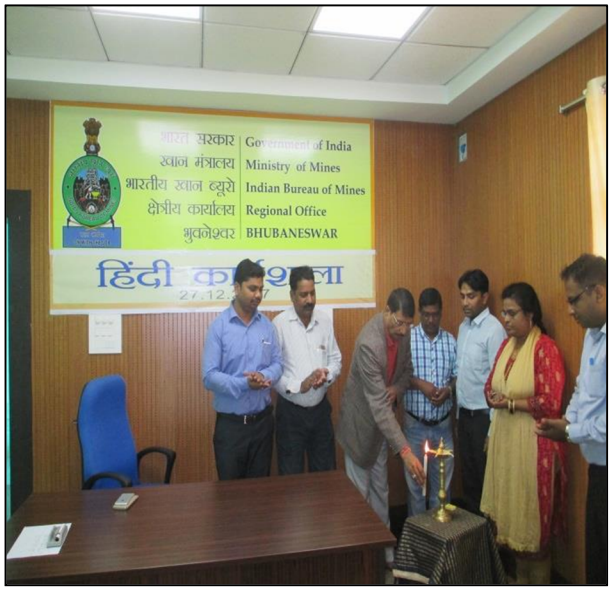

इस अवसर पर गणमान्य अतिथि के रूप में संस्थान के क्षे.खा.नि. श्री हरकेश मीना की उपस्थिति प्रेरणादायी रही। कार्यशाला का उद्घाटन समारोह दिनांक 27.12.2017 को पूर्वाह्न 10.30 बजे क्षे.खा.नि. श्री हरकेश मीना द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया | हिंदी संपर्क अधिकारी श्री दिलीप जैन ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत किया | कार्यक्रम का संचालन श्री महेश्वर मिश्र , अवर श्रेणी लिपिक द्वारा

किया गया । अंत में अध्यक्ष महोदय श्री हरकेश मीना (क्षे.खा.नि.) ने अपने संबोधन में अधिक से अधिक कार्य हिंदी भाषा के माध्यम से करने पर जोर देते हुए ऐसे कार्यक्रमों की उपयोगिता पर बल दिया।

कार्यशाला का प्रथम एवं दूसरा व्याख्यान 11.00 बजे से 12.15 एवं 12.15 से 1.30 तक ““**राजभाषा नीति एक परिचय एवं उसका कार्यान्वयन** और **राजभाषा निरिक्षण संबंधित जानकारी** विषय पर **श्री डी.उपाध्याय,** वरिष्ठ सहायक खान नियंत्रक,भारतीय खान ब्यूरो ,भुवनेश्वर द्वारा दिया गया, जिसमे उन्होंने **भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 (1) , राजभाषा के संबंध में सांवैधानिक व्यवस्थाएँ, राजभाषा नियम 1976** के बारे में सभी को अवगत कराया | इस व्याख्यान में राजभाषा अधिनियम 1963 के महत्वपूर्ण बिन्दुओं से अवगत कराया गया तथा उसके महत्व को समझाया गया | जिसे प्रशिक्षणार्थीयों ने बड़े ही ध्यानपूर्वक सुना एवं उसे ध्यानमग्न किया

पुनः भोजनावकाश के पश्चात् तीसरा व्याख्यान 2.30 से 3.45 एवं चौथा व्याख्यान 3.45 से 5.00 तक क्रमश **हिंदी से संबंधित विविध पत्राचार, "टिप्पणी, प्रारूप लेखन**" विषय पर

श्री पी. एम सुन्दरेश्वर , सहायक प्रशासनिक अधिकारी , भारतीय खान ब्यूरो , भुवनेश्वर द्वारा लीया गया उसमें उनके द्वारा पत्राचार लिखते समय किन किन बातों पर ध्यान देना चाहिए तथा एक प्रभावकारी पत्र किस प्रकार लिखा जाना चाहिए तथा टिप्पणी लिखते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए से अवगत कराया गया जिसे प्रशिक्षणार्थीयों ने बड़े ही ध्यानपूर्वक सुना तथा उसी समय सभी से पत्र एवं टिप्पणी लिखाया गया जिसमें सभी प्रशिक्षणार्थीयों बढ़ चढ़ कर भाग लिया तथा श्री **पी. एम सुन्दरेश्वर** ने सभी के लिखे पत्र एवं टिप्पणी पढ़ा तथा विद्यमान त्रुटियो से अवगत कराया तथा उसका निदान भी बताया जो की प्रशिक्षणार्थीयों के लिए काफी फायदेमंद रहा |

अंत में सभी प्रशिक्षणार्थीयों से प्रतिक्रिया फार्म भराया गया

कार्यशाला के अंत में 5.00 से 5.30 बजे तक समापन समारोह क्षे.खा.नि. श्री हरकेश मीना के अध्यक्षता में संपन्न हुआ समापन कार्यक्रम का संचालन श्री एम. मिश्र, अवर श्रेणी लिपिक , द्वारा किया गया | हिंदी संपर्क अधिकारी श्री दिलीप जैन ने हिंदी कार्यशाला का ब्यौरा रखा तथा उन्होंने सभी से ज्यादा से ज्यादा हिंदी में कार्य करने की अपील की |

हिंदी कार्यशाला के अंत में अध्यक्ष महोदय द्वारा सभी प्रशिक्षणार्थीयों से हिंदी कार्यशाला में क्या सिखाने को मिला ये पूछा गया सभी ने बढ़-चढ़ कर कार्यशाला के उपयोगिता को बताया जो संतोषप्रद रहा |

हिंदी कार्यशाला के दौरान क्या सिखने को मिला उसे बताते हुए श्री एम.एम.डे सहायक खनन अभियंता एवं श्री सोमनाथ घोष ,कनिष्ठ सर्वेक्षक

अंत में हिंदी कार्यशाला के दौरान सभी प्रशिक्षणार्थियों को उत्साह व् लगन के साथ धैर्यपूर्वक शामिल होकर प्रशिक्षण लेने के लिए क्षेत्रीय खान नियंत्रक .श्री हरकेश मीना द्वारा सराहना की गई एवं भविष्य में कार्यालय में ज्यादा से ज्यादा हिंदी का उपयोग हो इसकी आशा जताई अंत में, वरिष्ठ सहायक खान नियंत्रक **श्री डी.उपाध्याय** द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव उपरांत कार्यक्रम का समापन हुआ

|

कार्यशाला में सभी प्रशिक्षणार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया | उक्त कार्यशाला का सफल आयोजन हिंदी संपर्क अधिकारी एवं कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी श्री दिलीप जैन के निर्देश में एवं कनिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी श्री आशीष नारायण के मदद से किया गया |